सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या– **337**

02/04/2026

देश की अर्थव्यवस्था में पशुपालन का महत्वपूर्ण योगदान है– राज्यपाल

पटना 02 अप्रैल, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय के 99वें स्थापना दिवस के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में पशुपालन का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा में भी पशुधन एवं पशु चिकित्सा का भी योगदान है। कारगिल युद्ध में आर्मी कुत्ते ने महती भूमिका निभाई थी। लाइन ऑफ कंट्रोल पर आर्मी कुत्ता ने महत्वपूर्ण चेतावनी दी थी और वहाँ एक आतंकवादी पाया गया था। वर्फीली इलाके में सेना के लिए राशन, किरासन तेल आदि खच्चर पहुँचाते हैं। अमरनाथ यात्रा को अनेक लोग पशुओं के सहारे पूरा करते हैं। वहाँ भंडारे के लिए अनाज आदि सामग्रियाँ भी पशु लाते हैं। इन सभी अवसरों पर पशु चिकित्सक इनकी देखभाल करते हैं। फौज के कैंप के साथ–साथ वेटनरी कैंप भी आवश्यक रूप से होता है।

राज्यपाल ने बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय में प्लास्टिक के प्रतिबंध पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पशुओं के लिए हानिकारक है। उन्होंने प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग करने को कहा।

राज्यपाल ने टी०बी० मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने का आवाहन करते हुए कहा कि बिहार को वर्ष 2030 तक टी०बी० मुक्त बनाने हेतु सभी आवश्यक प्रयास करें। उन्होंने इसके लिए जन–जागरूकता पर जोर दिया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने ''ए फील्ड मैनुअल ऑन फुट एण्ड माउथ डिजिजेज'' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम को डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन मंत्री श्री सुरेन्द्र मेहता, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर के पूर्व अधिष्ठाता डॉ० ए० एच० अहमद तथा बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ० इंद्रजीत सिंह ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ० पल्लव शेखर, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के पदाधिकारीगण, विद्यार्थीगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

....